संपादकीय

कोरोनाः जरूरी चीजें बनाई जाएं

देश में कोरोना वायरस से सं मित लोगों की संख्या 2000 का आंकड़ा पार कर गई है। रोजाना इसमें जिस रफ्तार से बढ़ोतरी हो रही है वह चिंताजनक है। सवाल है कि संकट से निपटने में हमारे अब तक के उपाय कुछ कारगर भी हुए हैं या कुछ अच्छा हो जाने की उम्मीद में ही हम सब कुछ करते जा रहे हैं। यह सही है कि देश भर में सारे इंतजाम यथासंभव तेजी से किए जा रहे हैं।

बड़ी संख्या में क्वारंटीन सेंटर बनाए गए हैं। जरा भी शक पर लोगों को आइसोलेशन में भेजा जा रहा है। कई लोग ठीक होकर घर भी आ चुके हैं। लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि हमारे पास इस महामारी से लड़ने के लिए जरूरी साधनों का घोर अभाव है। डॉक्टर, नर्स और दूसरे मेडिकल स्टाफ दिन-रात देखे बगैर अपना कर्तव्य निभा रहे हैं लेकिन उन्हें सुरक्षा उपकरणों की किल्लत भी झेलनी पड़ रही है। इसके चलते न सिर्फ बीमारी से निपटना मुश्किल हो रहा है, बल्कि स्वास्थ्यकर्मियों के सामने जान का खतरा मंडरा रहा है। जैसे, अभी बहुत बड़ी तादाद में एन 95 मास्क की जरूरत है, पर सामान्य मास्क तक पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पा रहे हैं। कई जगहों पर डॉक्टरों को अपने गाउन 2-3 दिन तक लगातार इस्तेमाल करने पड़ रहे हैं, जो बहुत खतरनाक है। हास्यास्पद बात यह कि कुछ अस्पतालों में उन्हें रेनकोट और हेल्मेट थमाकर कोरोना मरीजों का इलाज करने को कह दिया गया है। जहां-तहां नर्सेज को ग्लव्स और सैनिटाइजर की किल्लत झेलनी पड़ रही है। मुंबई के एक अस्पताल में सुरक्षा उपकरण के नाम पर एचआईवी सुरक्षा उपकरण थमा दिए गए। सरकार का कहना है कि उसने विदेश से भारी मात्रा में उपकरण मंगाने का ऑर्डर दे रखा है। लेकिन उसकी डिलीवरी कब होगी, यह स्पष्ट नहीं है। कहा जा रहा है कि इसमें एक महीना लग सकता है। जरूरत इस बात की है कि अमेरिका की तरह देश की कुछ बड़ी कंपनियों को उनकी विशिष्टता का मामूली सा ध्यान रखते हुए कम से कम समय में वेंटिलेटर जैसे जीवन रक्षक उपकरण, सुरक्षा सामग्री और जांच किट बनाने का काम सौंप दिया जाए। इसके लिए उनके स्टाफ को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए। युद्धकाल में ऐसा होता है और आज के हालात लगभग वैसे ही हैं। इसके साथ ही हमें यह भी याद रखना होगा कि कोरोना के कारण अन्य मरीजों की उपेक्षा न हो। देश के कई अस्पताल बाकी मरीजों को बाहर से ही लौटा दे रहे हैं। ज्यादातर जगहों पर बच्चों का टीकाकरण रुक गया है। यह नहीं होना चाहिए, वरना देश के सामने एक नया संकट खड़ा हो जाएगा। लॉकडाउन का एक हफ्ता बीतने के साथ ही लोगों के सामने आटा-दाल का संकट भी शुरू हो गया है। ऐसे में सरकार को सोशल डिस्टैंसिंग के साथ-साथ कुछ जरूरी चीजों की मैन्युफैक्चरिंग सुनिश्चित करने की व्यवस्था बनानी होगी।

रेलवे ने पार्सल कार्गो एक्सप्रेस को समयबद्ध तरीके से चलाने का किया फैसला

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रेलवे ने देश के विभिन्न हिस्सों में माल की बेहतर आवाजाही के लिए निर्बाध परिवहन सुविधाएं प्रदान करने का फैसला लिया है।

इसके लिए कई लंबी दूरी की पार्सल कार्गो एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेनों को समयबद्ध तरीके से चलाने का निर्णय लिया है। ये विशेष ट्रेनें भारत में घातक कोरोना वायरस के प्रकोप की वजह से लॉकडाउन अवधि के दौरान दैनिक जरूरतों की वस्तुओं को वितरित करने में मदद करेंगी। इसी के मद्देनजर रेलवे ने यशवंतपुर-हजरत निजामुद्दीन-यशवंतपुर और बांद्रा टर्मिनस-लुधियाना के बीच पार्सल स्पेशल रेलगाड़ी चलाने का निर्णय किया है। यशवंतपुर-हजरत निजामुद्दीन-यशवंतपुर साप्ताहिक पीसीईटी एक्सप्रेस और यशवंतपुर-हजरत निजामुद्दीन पीसीईटी स्पेशल ट्रेन 6 अप्रैल और 13 अप्रैल सोमवार को यशवंतपुर से शाम 07.00 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन यात्रा के तीसरे दिन सुबह 10.30 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। वापसी में हजरत निजामुद्दीन-यशवंतपुर पीसीईटी स्पेशल ट्रेन 8 अप्रैल और 15 अप्रैल को हजरत निजामुद्दीन से प्रत्येक बुधवार को रात्रि 9.5 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन यात्रा के तीसरे दिन दोपहर 02.00 बजे यशवंतपुर पहुंचेगी। इन ट्रेनों में 5 पार्सल वैन और 2 एसएलआर डिब्बे लगाये गये हैं। इस बीच कोविड-19 से लड़ने के लिये उत्तर रेलवे ने अब तक 1673 लीटर हैंड सेनिटाइजर, 9036 फेस मास्क, 241 कवरॉल का निर्माण कर लिया है।

इसके साथ ही 174 रेल डिब्बों को आइसोलेशन वार्डों में बदला गया है। गौरतलब है कि रेलवे 83 रेल कोचों को प्रति दिन आइसोलेशन वार्ड में बदल रही है।

थोक बाजार में किल्लत नहीं, रीटेल में महंगा मिल रहा सामान

नई दिल्ली। लॉकडाउन का सबसे ज्यादा असर खाने-पीने की चीजों के दामों में देखने को मिल रहा है। फल-सब्जियों से लेकर राशन सब महंगा मिल रहा है।

थोक व्यापारियों का कहना है कि मार्केट में इस वक्त सप्लाई की कोई दिक्कत नहीं हैं। उल्टे अब सप्लाई ज्यादा है, मगर डिमांड कम हो गई है। लेकिन लॉकडाउन की वजह से बने हालातों का फायदा उठाकर रीटेलर ज्यादा मुनाफा कमा रहे हैं। साथ ही बाजार में जरूरी सामान की किल्लत का झूठा माहौल खड़ा कर रहे हैं। वहीं रीटेलर्स का कहना है कि कुछ चीजों के दाम पीछे से ही बढ़कर आ रहे हैं। इसी वजह से उनके दामों में मामूली बदलाव हुआ है। वहीं, मुनाफाखोरी के आरोपों से उन्होंने इनकार किया। वे उल्टे होलसेलरों और डिस्ट्रिब्यूटरों को इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

एयर इंडिया ने 30 अप्रैल तक की बुकिंग बंद की

नयी दिल्ली (आरएनएस)। सरकारी विमानन कंपनी एयर इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि उसने 30 अप्रैल तक टिकट की बुकिंग बंद कर दी है। कंपनी ने कहा कि वह 14 अप्रैल को लॉकडाउन की समाप्त हो रही अवधि के बाद निर्देश का इंतजार कर रही है। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा कि अब बुकिंग शुक्रवार से 30 अप्रैल तक बंद कर दी गयी है। उसने कहा, ''हम 14 अप्रैल के बाद के निर्देश का इंतजार कर रहे हैं।

कोरोना के खिलाफ जंग में हॉकी इंडिया ने दिया 1 करोड़ का योगदान

नईदिल्ली। हॉकी इंडिया ने कोरोनावायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई में शनिवार को प्रधानमंत्री राहत कोष में 75 लाख रुपये का और योगदान देने की घोषणा की। इसके साथ ही हॉकी इंडिया अब तक एक करोड़ रुपये की मदद कर चुका है। इससे पहले हॉकी इंडिया कार्यकारी बोर्ड ने प्रधानमंत्री राहत कोष में 25 लाख रुपये का योगदान दिया था।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष मोहम्मद मुश्ताक अहमद ने एक बयान में कहा, वर्तमान संकट को देखते हुए हमें सरकार के साथ खड़े होने की जरूरत है। कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए सरकार वे सब कुछ कर रही हैं, जो कर सकती है।

इस मुश्किल समय में इससे लड़ने के लिए एकजुट होने और एक जिम्मेदार नागरिक के अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, देश के लोगों से हॉकी को हमेशा से बहुत प्यार और समर्थन मिलता रहा है और हम अपने देशवासियों को इस महामारी पर विजेता के रूप में देखने के लिए अपनी तरफ से जो भी कर सकते हैं वह करना चाहते हैं।

हॉकी इंडिया के महासचिव राजिंदर सिंह ने कहा कि हॉकी इंडिया ने हमेशा किसी अच्छे काम के लिए कदम बढ़ाया है और इस मुश्किल समय में जब दुनिया कोविड-19 महामारी से जूझ रही है तो हम इस संकट से लड़ने में अपना समर्थन करना चाहते है।

रिजर्व बैंक ने सात अप्रैल से रिण, मुद्रा बाजार के कारोबारी घंटे घटाये

मुंबई (आरएनएस)। कोरोना वायरस के वजह से देशव्यापी लॉकडाउन (बंद) को देखते हुए रिजर्व बैंक ने मंगलवार से रिण और मुद्रा बाजार के कारोबारी घंटे कम करने का निर्णय किया है। रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को एक परिपत्र जारी कर कहा कि सात से 17 अप्रैल 2020 तक इन बदले हुए कारोबारी घंटो में काम होगा।नयी व्यवस्था के अनुसार बाजार सुबह नौ बजे के बजाय 10 बजे खुलेगा, वहीं बंद होने का समय दो बजे कर दिया गया है। सर्कुलर के मुताबिक केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियों, राज्यों के विकास रिण और ट्रेजरी बिलों सहित सरकारी प्रतिभूतियों, विदेशी मुद्रा विनिमय, रुपये और फॉरेक्स डेरिवेटिव बाजार इत्यादि सभी श्रेणियों के लिये भी कारोबार का समय नौ से पांच के बजाय बदलकर दस से दो बजे कर दिया गया है। देशभर में लॉकडाउन की वजह से इन बाजारों के कर्मचारियों, सूचना प्रौद्योगिकी संसाधनों के साथ ही दफ्तर पहुंचने में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

15 अप्रैल से देशभर में यात्री ट्रेनों के परिचालन की खबरों का रेलवे ने किया खंडन

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी को लेकर जारी लॉकडाउन के 14 अप्रैल को खत्म होने के बाद 15 अप्रैल से यात्री ट्रेनों का परिचालन शुरू होने की खबरों का रेलवे ने खंडन किया है। रेल मंत्रालय ने शनिवार को स्पष्ट किया कि उसने 15 अप्रैल से यात्री ट्रेनों के परिचालन की कोई योजना जारी नहीं की है और इस बारे में बाद में फैसला लिया जाएगा। मीडिया में खबरें आई थीं किरेलवे ने कोरोना वायरस के कारण यात्री ट्रेनों को 21 दिन तक स्थगित करने के बाद 15 अप्रैल से अपनी सभी सेवाएं बहाल करने की तैयारी शुरू कर दी है।

आज का राशिफल

मेषः मेष राशि के जातकों के लिए कार्य क्षेत्र में कार्य की अधिकता रहेगी।

वृषभः वृष राशि के जातकों के लिए राशि स्वामी अपने घर में विराजित होकर मजबूत स्थिति को दर्शा रहा है।

मिथुनः मिथुन राशि के लोगों को अपने कार्य क्षेत्र में वाणी पर नियंत्रण रखना चाहिए।

कर्कः कर्क राशि के जातकों के लिए कैरियर और धन की दृष्टि से एक उत्तम समय है।

सिंहः सिंह राशि के लोगों के मन में इस समय भय रहेगा। लेकिन वह अपने सभी कॉम्पीटीटर को पीछे छोड़ते हुए कार्यक्षेत्र में अपना लोहा मनवाने में कामयाब होंगे।

कन्याः कन्या राशि के जातक जो कि टेक्निकल फील्ड से जुड़े हुए हैं उनके लिए कार्य क्षेत्र में बेहतर समय है।

तुलाः तुला राशि के जातकों का सारा फोकस इस वक्त काम पर होगा।

वृश्चिकः वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह समय कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव को सूचित कर रहा है, मेहनत से ही लाभ प्राप्ति होगी, अति भाग्यवादी होने से बचें।

धनुः धनु राशि के लोगों का मन इस समय कुछ भयभीत रहेगा, परा म में वृद्धि होगी तथा जातकों को ब्याज से धन प्राप्ति की संभावना बन रही है।

मकरः मकर राशि के जातकों के कार्यक्षेत्र में कार्य की अधिकता रहेगी और साथ ही साथ धन प्राप्ति के अवसर भी मिलेंगे पार्टनर से धन लाभ के लिए उत्तम समय है।

कुंभः कुंभ राशि के जातक इस समय आराम के मूड में रहेंगे, खर्चे की अधिकता रहेगी, उधार लेने से बचें।

मीनः मीन राशि के जातकों के करियर एवं फाइनेंस के लिए यह अच्छा समय है, अपनी बुद्धि के प्रयोग द्वारा धन प्राप्ति के अच्छे अवसर आपको मिल रहे हैं।

एकता कपूर के सेफ हैंड्स चैलेंज को दिव्यांका ने किया पूरा

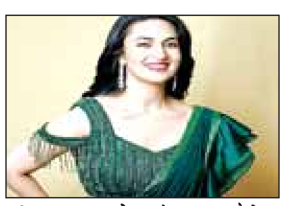

बॉलीवुड सहित मनोरंजन जगत के तमाम सेलेब्रिटीज इन दिनों लोगों को कोरोनावायरस से संबंधित तमाम विषयों पर जागरूक करते हुए नजर आ रहे हैं। इनमें से एक है सेफ हैंड्स चैलेंज, जिसे अपनाकर ये सितारें लोगों को अपने हाथों को धोने के सही तरीकों के बारे में जानकारी दे रहे हैं, ताकि कोरोनावायरस के खिलाफ इस जंग में जल्द से जल्द जीत हासिल हो सकें। इस चैलेंज को अपनाने वाले सितारों की कड़ी में अब टेलीविजन अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी का भी नाम जुड़ गया है। उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह अपने हाथों को साफ करती हुई नजर आई।

धारावाहिक ये है मोहब्बतें में अपने किरदार के लिए मशहूर दिव्यांका ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह अपने हाथों को काफी अच्छे से साफ करती हुई दिखाई दे रही हैं। इस क्लिप के कैप्शन में उन्होंने लिखा, जो पिछले कुछ हैशटैगहैंडवॉशवीडियोज को देखने से चूक गए हैं और अब भी अपने हाथों को पूरानी शैली में धोते हैं, उनके लिए यह पोस्ट कर रही हूं क्योंकि मुझे नामांकित किया गया है..लेकिन क्या यह याद दिलाने का एक सही तरीका भी नहीं है? एकता कपूर आखिरकार इसे मैंने कर दिखाया। बता दें, दिव्यांका को एकता कपूर ने इस चैलेंज के लिए नॉमिनेट किया था।

शहंशाह का रीमेक बनाना चाहते हैं टीनू आनंद

बॉलीवुड निर्देशक टीनू आनंद अपनी सुपरहिट फिल्म शहंशाह का रीमेक बनाना चाहते हैं। चर्चा है कि टीनू आनंद फिर से शहंशाह बनाने का विचार कर रहे हैं। फिल्म में इस बार भी अमिताभ बच्चन टाइटल रोल निभाएंगे।

टीनू आनंद ने कहा,मैं शहंशाह का रीमेक बनाऊंगा। लेकिन कोरोना वायरस के प्रकोप को पहले खत्म होने दीजिए। यह अभी चरम पर पर है और इसलिए मैं यह नहीं बता सकता कि मैं रीमेक कब शुरू करूंगा और कब रिलीज करूंगा।

टीनू आनंद ने बताया कि उनके पास कई लोग आए हैं और शहंशाह के राइट्स के लिए पूछ रहे हैं। टीनू आनंद को लगता है कि उन्हें खुद क्यों नहीं इसे बनाने के लिए आगे बढ़ना चाहिए। टीनू आनंद ने कहा कि स्टोरी में संशोधन होंगे जो आज के जमाने के अनुसार बनाई जाएगी। इस बारे में आगे बताते हुए उन्होंने कहा,शहंशाह 1988 में रिलीज़ हुई थीं। हम 2020 में हैं।

गौरतलब है कि वर्ष 1988 में प्रदर्शित टीनू आनंद निर्देशित शहंशाह में अमिताभ बच्चन, मीनाक्षी शेषाद्री और अमरीश पुरी ने मुख्य भूमिका निभायी थी।

चटपटा खाने की है चाहत तो ट्राई करें 'मलाई मखाना सब्जी

सामग्री :-

1 कप मखाने, 1 कप ताजा मलाई, 1 कप बारीक कटा प्याज, 2 हरीमिर्चें बारीक कटी, 1 बड़ा चम्मच देगी मिर्च, 1 बड़ा चम्मच धनिया पाउडर, 1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर,1/2 छोटा चम्मच गरममसाला, 2 बड़े चम्मच तेल,1 बड़ा चम्मच जीरा, 1 बड़ा चम्मच कसूरी मेथी, 1 बड़ा चम्मच देशी घी, नमक स्वादानुसार

विधि :-

एक पैन में देशी घी गरम कर मखाने डाल कर सुनहरे होने तक भून लें। इन्हें एक ओर रख दें। इसी पैन में 1 चम्मच तेल गरम कर जीरा डाल कर भूनें। फिर प्याज व हरीमिर्च डाल कर प्याज के नर्म होने तक भूनें। सारे मसाले डालें और अच्छी तरह भूनें। 1/2 कप पानी डाल कर ढक कर प्याज के अच्छी तरह गलने तक पकाएं। मलाई डाल कर लगातार हिलाते हुए घी छूटने तक पकाएं। जब मसाला घी छोड़ने लगे। अब इस में मखाने डाल अच्छी तरह मिलाएं और 1 मिनट तक ढक कर पकाएं और आंच बंद कर दें। धनियापत्ती बुरक कर गरमगरम परोसें।

शब्द सामर्थ्य- 82

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

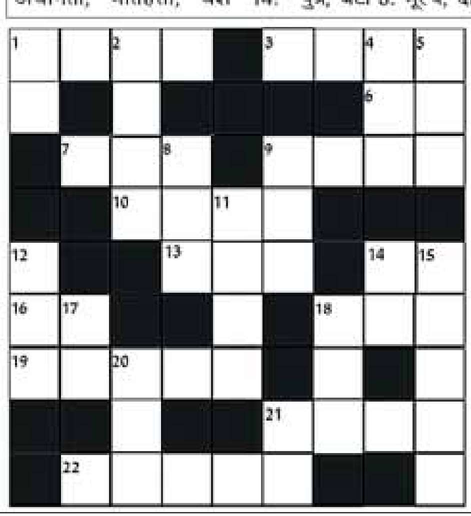

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 81 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

सू-दोकू- 82

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.81 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6